PAPER-III
SANSKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) __________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J A 0 2 5 1 7

Time : 2 1/2 hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the test booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

SANSKRIT
संस्कृतम्
Paper – III
प्रश्नपत्रम् – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

सूचना : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति: (75)** बहुविकल्पीया: प्रश्ना: सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं** वर्तते । **सर्वे** प्रश्ना: समाधेया: ।

1. निरुक्तानुसारेण “अति” इत्यस्य उपसर्गस्य कोऽर्थ: ?

(1) निषेध: (2) एकीभाव:
(3) पूजा (4) अनादर:

2. निरुक्तानुसारेण “चित्” इत्यस्य निपातस्य अर्थो नास्ति –

(1) प्रतिषेध: (2) उपमा
(3) पूजा (4) अवकुत्सित:

3. निरुक्ते अधोलिखितेषु उपधाविकारस्य उदाहरणमस्ति –

(1) प्रत्तम् (2) स्त:
(3) गत्वा (4) राजा

4. ब्राह्मणग्रन्थानां विषयो नास्ति –

(1) छन्दोविवेचनम् (2) पुराकल्प:
(3) विधि: (4) निर्वचनम्

5. शिक्षावेदाङ्गे गणना नास्ति –

(1) तैत्तिरीयप्रातिशाख्यस्य (2) ऋक्तन्त्रस्य
(3) पारस्करगृह्यसूत्रस्य (4) नारदशिक्षाया:

6. ऐतेरेयब्राह्मणस्य शुन:शेपाख्याने शुन:शेपस्य पितुर्नाम अस्ति –

(1) वाजश्रवा: (2) अजीगर्त:
(3) कण्व: (4) सौयवसी

7. ‘वाङ्मनस’ इत्याख्यानं वर्तते

(1) कौषीतकिब्राह्मणे (2) ऐतरेयब्राह्मणे
(3) षड्विंशब्राह्मणे (4) शतपथब्राह्मणे

8. "यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्" कठोपनिषदि इदं कथनम् अस्ति –

(1) कण्वस्य (2) यमस्य

(3) नचिकेतस: (4) इन्द्रस्य

9. "तस्यै तपो दम: कर्मेति प्रतिष्ठा वेदा: सर्वाङ्गानि सत्यमायतनम्" इत्युद्धरणं वर्तते –

(1) तैत्तिरीयोपनिषदि (2) कठोपनिषदि

(3) केनोपनिषदि (4) बृहदारण्यकोपनिषदि

10. अधस्तनेषु स्वरितस्वरस्य भेदोऽस्ति –

(1) क्षैप्र: (2) सन्नतर:

(3) निघात: (4) सन्नतम:

11. ऋग्वेदीयशाकलसंहितायां उदात्तस्वर: केन प्रकारेण प्रदर्श्यते ?

(1) अ॒ (2) अ॑

(3) अ३ (4) अ [अचिह्नितम्]

12. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण रक्तसंज्ञका वर्णा भवन्ति –

(1) अनुनासिकवर्णा: (2) सोष्मवर्णा:

(3) अघोषवर्णा: (4) समानाक्षरवर्णा:

13. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण अधस्तनयुग्मानां समुचितां तालिकां चिनुत –

(a) ऊ (i) अघोष:

(b) क (ii) सन्ध्यक्षरम्

(c) घ (iii) समानाक्षरम्

(d) ए (iv) सोष्म

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

14. सर्वादौ वेदस्य अंग्रेजीभाषायाम् अनुवाद: केन कृत: ?

(1) ए वेबरेण (2) विल्सनेन

(3) ब्लूमफिल्डेन (4) ओल्डनबर्गेण

15. माध्यन्दिनसंहिताया हिन्दीभाषायाम् अनुवाद: सर्वादौ केन कृत: ?

(1) अरविन्देन (2) महर्षिदयानन्देन

(3) श्रीपाददामोदरसातवलेकरेण (4) स्वामी-विवेकानन्देन

16. अधोनिर्दिष्टेषु 'मनो: स्त्री' इति विग्रहे स्त्रीलिङ्गे अशुद्ध: प्रयोग: क: ?

(1) मनायी (2) मनावी

(3) मन्वी (4) मनु:

17. 'अध्यापयति वेदम्' इत्यत्र क्रियापदे परस्मैपदविधायको नियम: क: ?

(1) अणावकर्मकाच्चित्तवत्कर्तृकात् (2) विभाषाऽकर्मकात्

(3) निगरणचलनार्थेभ्यश्च (4) बुध-युध-नश-जनेङ्-प्रु-द्रु-स्रुभ्यो णे:

18. 'वच्' धातोरशब्दसञ्ज्ञायां ण्यत्प्रत्ययान्तं किं रूपम् ?

(1) वाच्यम् (2) वाक्यम्

(3) वच्यम् (4) उच्यम्

19. 'एध' धातो: आशीर्लिङि उत्तमपुरुषैकवचने किं रूपम् ?

(1) एधेय (2) एधिषीय

(3) एधिताहे (4) ऐधिषि

20. क्रियामात्रविषयं व्यापारनियतञ्च किम्भवति ?

(1) हेतु: (2) करणम्

(3) अधिकरणम् (4) सम्बन्ध:

21. 'लोमन्' शब्दस्य मत्वर्थीय: शुद्धप्रयोग: क: ?

(1) लोमन: (2) लोमिक:

(3) लोमिल: (4) लोमश:

22. 'शास्त्रपूर्वके प्रयोगेऽभ्युदय:…..' – अत्र महाभाष्यानुसारं रिक्तस्थानं पूरयत ।

(1) कूपखननन्यायेन (2) तत्तुल्यं वेदशब्देन

(3) स्नातानुलिप्तप्रकारेण (4) पांसूदकन्यायेन

23. एषु पाठकगुणेषु कः गण्यते ?

(1) अक्षरव्यक्तिः (2) गीती

(3) लिखितपाठकः (4) शीघ्री

24. निम्नलिखितेषु अन्तःस्थेषु को ध्वनिः न गण्यते ?

(1) ट् (2) र्

(3) ल् (4) य्

25. निम्नलिखितेषु विषमीकरणस्य उदाहरणम् किम् अस्ति ?

(1) बभूव (2) ससार

(3) गमिष्यति (4) पपाठ

26. चीनी भाषा कीदृशी भवति ?

(1) योगात्मिका (2) अयोगात्मिका

(3) प्रश्लिष्टयोगात्मिका (4) श्लिष्टयोगात्मिका

27. अर्थसङ्ग्रहे 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणे 'वेदप्रतिपाद्यः' इति पदं किमर्थं गृहीतम् ?

(1) द्यूतक्रीडादावतिव्याप्तिवारणाय (2) स्वर्गादिप्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणाय

(3) श्येनयागादावतिव्याप्तिवारणाय (4) भोजनादावतिव्याप्तिवारणाय

28. शाब्दीभावनायाः साध्यं किम्भवति ?

(1) लिङ्गादिज्ञानम् (2) अर्थवादज्ञाप्यप्राशस्त्यम्

(3) स्वर्गादिफलम् (4) आर्थी भावना

29. तर्कसङ्ग्रहदीपिकादिशा एषु गोर्लक्षणेषु कस्मिन् अतिव्याप्तिदोषः सङ्घटते ?

(1) शृङ्गित्वम् (2) एकशफत्वम्

(3) कपिलत्वम् (4) सास्नादिमत्त्वम्

30. 'तन्तुसंयोगः पटस्य' कीदृशं कारणम् ?

(1) असमवायिकारणम् (2) समवायिकारणम्

(3) समवाय्यसमवायिकारणम् (4) निमित्तकारणम्

31. न्यायसिद्धान्तदृशा व्याप्तिः का ?

(1) साध्यवदन्यस्मिन्नसम्बन्धः (2) व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः

(3) सिषाधयिषाविरहसहकृतसिद्ध्यभावः (4) साध्यवत्त्वेन पक्षस्य वचनम्

32. योगसूत्रभाष्ये निर्बीज: समाधि: क उक्त: ?

(1) सम्प्रज्ञातसमाधि: (2) असम्प्रज्ञातसमाधि:

(3) सवितर्कसमाधि: (4) सविचारसमाधि:

33. 'तस्मिन् परमगुरौ सर्वकर्मार्पणम्' इति व्यासभाष्येण किं लक्षितम् ?

(1) सन्तोष: (2) तप:

(3) स्वाध्याय: (4) ईश्वरप्रणिधानम्

34. वाक्यपदीयानुसारं 'स्फोटनादयो:' सम्बन्ध: कीदृशो भवति ?

(1) तरङ्गप्रतिबिम्बवत् (2) कार्यकारणवत्

(3) जन्यजनकवत् (4) धूमाग्निवत्

35. वाक्यपदीयानुसारं स्फोट: कीदृशो भवति ?

(1) सक्रम: (2) भेदवान्

(3) अक्रम: (4) वर्णानुपूर्वी

36. 'आनन्दमयोऽभ्यासात्' इत्यस्मिन् सूत्रे 'मयट्' प्रत्यय: कस्मिन्नर्थे वर्तते ?

(1) विकारार्थे (2) जनकार्थे

(3) कारणार्थे (4) प्राचुर्यार्थे

37. 'शास्त्रयोनित्वात्' इत्यस्मिन् सूत्रे 'योनि:' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थ: ?

(1) जन्म (2) कारणम्

(3) कार्यम् (4) व्याख्या

38. हेमचन्द्रसूरि: कस्य दर्शनस्य आचार्योऽस्ति ?

(1) बौद्धदर्शनस्य (2) जैनदर्शनस्य

(3) चार्वाकदर्शनस्य (4) सांख्यदर्शनस्य

39. सांख्यकारिकानुसारं किं तत्त्वं प्रधानपुरुषयो: अन्तरं विशिनष्टि ?

(1) मन: (2) बुद्धि:

(3) अहङ्कार: (4) ज्ञ:

40. सांख्यकारिकानुसारं करणम् कतिविधम्

(1) षोडश (2) चतुर्दश

(3) सप्तदश (4) त्रयोदश

41. ‘तज्ज्ञानं पञ्चविधं मतिश्रुतावधिमन:पर्यायकेवलभेदेन’ उक्तिरियं केन दर्शनेन सम्बद्धा अस्ति ?

(1) आर्हतदर्शनेन (2) बौद्धदर्शनेन

(3) रामानुजदर्शनेन (4) न्यायदर्शनेन

42. वेदान्तसारानुसारं निर्विकल्पकस्य समाधे: कति विघ्ना: भवन्ति ?

(1) त्रय: (2) पञ्च

(3) चत्वार: (4) षट्

43. रुद्रदाम्न: शिलालेख: कुत्र विद्यते ?

(1) प्रयागे (2) जूनागढे

(3) तक्षशिलायाम् (4) पाटलिपुत्रे

44. इलाहाबादशिलालेखे अस्य नाम नास्ति –

(1) रुद्रदेव: (2) शशाङ्क:

(3) चन्द्रवर्मा (4) नागदत्त:

45. खरोष्ठ्यां लिप्यां कस्य अभिलेखा: उपलभ्यन्ते ?

(1) अशोकस्य (2) समुद्रगुप्तस्य

(3) कनिष्कस्य (4) खारवेलस्य

46. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(a)	लोके हि लोहेभ्य: कठिनतरा: खलु स्नेहमया बन्धनपाशा:	(i)	रत्नावली
(b)	वरं विरोधोऽपि समं महात्मभि:	(ii)	हर्षचरितम्
(c)	श्रीहर्षो निपुण: कवि: परिषदप्येषा गुणग्राहिणी	(iii)	मुद्राराक्षसम्
(d)	गजेन्द्रश्च नरेन्द्रश्च प्राय: सीदन्ति दु:खिता:	(iv)	किरातार्जुनीयम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

47. एषु किं रामायणाश्रितं भवति –

(1) नैषधीयचरितम् (2) किरातार्जुनीयम्

(3) शिशुपालवधम् (4) रघुवंशम्

48. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति –

(1) द्रोणपर्व (2) भीष्मपर्व

(3) युधिष्ठिरपर्व (4) शल्यपर्व

49. महाभारताश्रितं न भवति –

(1) वेणीसंहारम् (2) दूतवाक्यम्

(3) मध्यमव्यायोग: (4) अभिषेकनाटकम्

50. 'ज्ञानविज्ञानयोग:' श्रीमद्भगवद्गीताया: कतमोऽध्याय: –

(1) द्वितीयोऽध्याय: (2) तृतीयोऽध्याय:

(3) पञ्चमोऽध्याय: (4) सप्तमोऽध्याय:

51. एषु कस्य महापुराणेषु अन्तर्भावो नास्ति –

(1) मत्स्यपुराणस्य (2) ब्रह्मपुराणस्य

(3) अग्निपुराणस्य (4) साम्बपुराणस्य

52. 'फलेन मूलेन च वारिभूरुहां मुनेरिवेत्थं मम यस्य वृत्तय:' – नैषधीयचरिते इयमुक्तिर्भवति –

(1) नलस्य (2) दमयन्त्या :

(3) हंसपत्न्या: (4) हंसस्य

53. 'पौरेषु सोऽहं बहुलीभवन्तमपां तरङ्गेष्विव तैलबिन्दुम् ।
सोढुं न तत्पूर्वमवर्णमीशे आलानिकं स्थाणुमिव द्विपेन्द्र: ।।'
रघुवंशे कस्येयमुक्ति: ?

(1) लक्ष्मणस्य (2) रामस्य

(3) भरतस्य (4) शत्रुघ्नस्य

54. 'गतं तिरश्चीनमनूरुसारथे: प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुज: ।' – शिशुपालवधे अस्मिन् पद्यांशे अनूरुसारथि: भवति –

(1) अग्नि: (2) सूर्य:

(3) चन्द्र: (4) विद्युत्

55. "ईदृशानां विपाकोऽपि जायते परमाद्भुत:" – उत्तररामचरिते इयमुक्तिर्भवति –

(1) सीताया: (2) मुरलाया:

(3) तमसाया: (4) लक्ष्मणस्य

56. मुद्राराक्षसे कौमुदीमहोत्सव: केन निषिद्ध: ?

(1) राक्षसेन (2) चन्द्रगुप्तेन

(3) चाणक्येन (4) मलयकेतुना

57. "स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वममानुषीषु
संदृश्यते किमुत या प्रतिबोधवत्य: ।।"
अभिज्ञानशाकुन्तले इयमुक्ति: कस्य ?

(1) शाङ्र्गरवस्य (2) शारद्वतस्य

(3) दुष्यन्तस्य (4) सोमरातस्य

58. हर्षचरिते पञ्चमे उच्छ्वासे – 'विश्वस्तानां यशसा स्थातुमिच्छामि लोके न वपुषा' – इत्युक्तिर्भवति –

(1) हर्षवर्धनस्य (2) प्रभाकरवर्धनस्य

(3) यशोमत्या: (4) कुरङ्गकस्य

59. "सूरिभि: कथित:' इति विद्वदुपज्ञेयमुक्ति: ।" – अत्र विषये के तावत् आनन्दवर्धनमते प्रथमे विद्वांस: ?

(1) मीमांसका: (2) तार्किका:

(3) कवय: (4) वैयाकरणा:

60. "क्रियाया: प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्ति:.. ।" काव्यप्रकाशानुसारेण कस्यालङ्कारस्य लक्षणमिदम् –

(1) उपमालङ्कारस्य (2) निदर्शनालङ्कारस्य

(3) विभावनालङ्कारस्य (4) उत्प्रेक्षालङ्कारस्य

61. "ग्रामतरुणं तरुण्या नववञ्जुलमञ्जरीसनाथकरम् ।
पश्यन्त्या भवति मुहुर्नितरां मलिना मुखच्छाया ।।" काव्यप्रकाशे प्रथमोल्लासे श्लोकोऽयं कस्य काव्य-भेदस्य उदाहरणरूपेण उल्लिखित: ?

(1) ध्वनिकाव्यस्य (2) गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यस्य

(3) शब्दचित्रकाव्यस्य (4) वाच्यचित्रकाव्यस्य

62. दशरूपकानुसारेण –

'अल्पमात्रं समुद्दिष्टं बहुधा यद्विसर्पति ।

फलावसानं यच्चैव….. …।' तत् किम् अभिधीयते ?

(1) बीजम् (2) बिन्दुः

(3) पताका (4) प्रकरी

63. दशरूपकमतानुसारं दृष्टनष्टस्य बीजस्य अन्वेषणं भवति –

(1) मुखसन्धिः (2) गर्भसन्धिः

(3) प्रतिमुखसन्धिः (4) निर्वहणसन्धिः

64. आसु कस्याः वक्रतामध्ये गणनं नास्ति ?

(1) वर्णविन्यासवक्रतायाः (2) समासवक्रतायाः

(3) पदपूर्वार्द्धवक्रतायाः (4) प्रकरणवक्रतायाः

65. राजशेखरेण काव्यमीमांसायां दोषाधिकरण-विषये कस्य ग्रन्थकारस्य नाम उल्लिखितम् ?

(1) सुवर्णनाभस्य (2) शेषस्य

(3) धिषणस्य (4) भरतस्य

66. "दुःखार्तानां श्रमार्तानां शोकार्तानां तपस्विनाम् ।

….. लोके नाट्यमेतद्भविष्यति ।।"

नाट्यशास्त्रतः रिक्तस्थानं पूरयत –

(1) मोक्षप्रदायकम् (2) ज्ञानप्रदायकम्

(3) आह्लादजननम् (4) विश्रामजननम्

67. "मित्रात्रिपुत्रनेत्राय त्रयीशात्रवशत्रवे ।

गोत्रारिगोत्रजत्राय गोत्रात्रे ते नमो नमः ।।"

रसगङ्गाधरे प्रथमे आनने श्लोकोऽयम् उदाहरणं भवति –

(1) उत्तमकाव्यस्य (2) अधमकाव्यस्य

(3) उत्तमोत्तमकाव्यस्य (4) मध्यमकाव्यस्य

68. "यत्र व्यङ्ग्यमप्रधानमेव सच्चमत्कारकारणम्" जगन्नाथमते तत् भवति –

(1) मध्यमकाव्यम् (2) उत्तमोत्तमकाव्यम्

(3) उत्तमकाव्यम् (4) अधमकाव्यम्

69. कौटिल्यार्थशास्त्रोल्लेखानुसारं एषु क: कोपात् विननाश इति उल्लिखित: ?

(1) अजबिन्दु: (2) रावण:

(3) कराल: (4) जनमेजय:

70. कौटिलीयार्थशास्त्रे सर्वविद्यानां प्रदीप:, सर्वकर्मणाम् उपाय: सर्वधर्माणां च आश्रय: का विद्या प्रोक्ता ?

(1) आन्वीक्षिकी (2) त्रयी

(3) वार्ता (4) दण्डनीति:

71. कौटिलीयार्थशास्त्रे एतत् वैश्यस्य स्वधर्मो न भवति –

(1) याजनम् (2) दानम्

(3) अध्ययनम् (4) यजनम्

72. याज्ञवल्क्यमते गृहीतवेतन: कर्म त्यजन् –

(1) चतुर्गुणमावहेत् (2) त्रिगुणमावहेत्

(3) पञ्चगुणमावहेत् (4) द्विगुणमावहेत्

73. स्मृत्योर्विरोधे न्यायस्तु बलवान् व्यवहारत: ।

अर्थशास्त्रात्तु बलवद्………. इति स्थिति: ।।

– याज्ञवल्क्यसंहितात: रिक्तं स्थानं पूरयत ।

(1) राजादेश: (2) धर्मशास्त्रम्

(3) नृपस्येच्छा (4) नीतिशास्त्रम्

74. मनुसंहितानुसारं एषु कस्य क्रोधजव्यसने गणनं न भवति –

(1) दिवास्वप्नस्य (2) वाक्पारुष्यस्य

(3) साहसस्य (4) दण्डपारुष्यस्य

75. मनुसंहितात: रिक्तं स्थानं पूरयत –

वेद: स्मृति: ….. स्वस्य च प्रियमात्मन: ।

एतच्चतुर्विधं प्राहु: साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ।।

(1) उपकार: (2) अपकार:

(3) सदाचार: (4) परम्परा

Space For Rough Work